Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 26-04-2007

Participants : Shukla Smt. Karuna

Title: Need to withdraw sex education from the syllabus of CBSE for Primary Classes.

श्रीमती करुणा शुक्ला (जाँजगीर) :महोदय, मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा सी.बी.एस.सी. (CBSC) के पाठ्यक्रम में प्र ाइमरी कक्षा से ही यौन शिक्षा को शामिल करने का निर्णय किया गया है और इसके प्रशिक्षण की सामग्री यूनीसेफ द्वारा तैयार की गई है । जो सामग्री मैंने देखी है वह अश्लील है। इस सामग्री से बच्चों में व समाज में शिक्षा कम व्यभिचार को ही बढ़ावा मिलेगा । इससे अपरिपक्व बच्चों का मन पढ़ाई में कम और यौन जिज्ञासा को ज्यादा बढ़ायेगा यौन शिक्षा देना यह किस उम्र में और किस तरीके दी जाये इस पर गहन चिंतन व विचार करना आवश्यक है इस तरह के संवेदनशील ि वायों पर एक सुविचारित नीति बनाने की आवश्यकता है जिसे अध्यापक, अभिभावक, समाजशास्त्री, मनोचिकित्सक तथा मनोवैज्ञानिकों के परामर्श से बनानी चाहिए । प्रत्येक देश के परिवेश व संस्कृति को ध्यान में रखकर विचार होना चाहिए । भारत जैसे सांस्कृतिक देश में इन बातों का ध्यान नहीं रखा गया तो समाधान के बजाय हम नई समस्याओं से घिर जायेंगे ।

इसलिये मेरा सरकार से अनुरोध है कि वे इस सामग्री को तुरंत वापस ले और यौन शिक्षा कब और कैसे दी जानी चाहिए इस पर राट्रीय बहस कराये ताकि समाज के विभिन्न वर्ग अपनी सक्रिय भागीदारी से एक सुविचारित मत तैयार कर सके । जिससे अच्छे राट्रीय चरित्र का निर्माण होगा ।